ई-न्यूज

# 24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 186

पृष्ठ 4

# सोने-चांदी की चमक, नए वाहनों की खनक और मां लक्ष्मी के जयकारे... धनतेरस पर उत्सव के रंग में रंगा उदयपुर

**ऑटोमोबाइल से लेकर सराफा और बर्तन बाजार तक सुबह से उमड़ी खरीदारों की भीड़, 450 से अधिक कारें और 6 हजार से अधिक दोपहिया वाहन बिकने का अनुमान, बोहरा गणेशजी मंदिर में नए वाहनों की पूजा के लिए लगी कतारें**

24 न्यूज अपडेट




उदयपुर। झीलों की नगरी में शुक्रवार को धनतेरस ने दीपोत्सव की रौनक को बाजारों से मंदिरों तक पहुंचा दिया। कहीं नई कार की चाबी हाथ में आने की खुशी थी तो कहीं चांदी के सिक्के और तांबे के बर्तन खरीदने का उत्साह। सराफा बाजार में सोने-चांदी की चमक के बीच ग्राहकों की आवाजाही बनी रही और भटियाणी चौहट्टा स्थित महालक्ष्मी मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। धन, वैभव और शुभारंभ के इस पर्व पर शहर ने खरीदारी के साथ आस्था और परंपरा का भी उत्सव मनाया। इस बार धनतेरस पर उदयपुर के ऑटोमोबाइल बाजार में खास रौनक दिखाई दी। सुबह से ही लोग परिवार के साथ कार और दोपहिया वाहन खरीदने शोरूम पहुंचने लगे। कारोबारी अनुमान के मुताबिक, शहर में इस अवसर पर 450 से अधिक कारें और 6 हजार से ज्यादा दोपहिया वाहन बिक सकते हैं। नए वाहन घर ले जाने की खुशी शोरूम के बाहर परिवारों की तस्वीरों में भी नजर आई। कई परिवारों ने वाहन खरीदने के बाद सीधे बोहरा गणेशजी मंदिर का रुख किया। यहां नए वाहनों की पूजा कराने वालों की लंबी कतारें लगी रहीं।

सराफा बाजार में भी खरीदारी का उत्साह कम नहीं था। ज्वेलरी शोरूम में हल्के वजन के सोने के आभूषण और चांदी की पायल की मांग देखने को मिली। परंपरा के अनुसार चांदी के सिक्के और छोटे बर्तन खरीदने वालों की भी अच्छी संख्या रही। बर्तन बाजार में स्टील के साथ तांबे के बर्तनों की मांग रही। बर्तनों की दुकानों पर सुबह करीब नौ बजे से ग्राहकों का पहुंचना शुरू हो गया। दुकानदारों के अनुसार, खरीदारी का सिलसिला देर रात तक चलने की उम्मीद है। बाजारों की यह रौनक केवल खरीदारी तक सीमित नहीं रही। शहर के प्रमुख चौराहों, सरकारी भवनों और पर्यटन स्थलों पर की गई आकर्षक रोशनी ने दीपोत्सव का माहौल और निखार दिया। शाम ढलते ही जगमगाती इमारतों और सजे बाजारों के बीच उदयपुर की उत्सवी छटा देखते ही बन रही थी। दूसरी ओर, त्योहार पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए प्रशासन ने कई इलाकों में वन-वे व्यवस्था लागू की है। अगले दस दिनों तक कुछ क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही पर भी रोक रहेगी, ताकि बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों को परेशानी कम हो।

## महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन को लेगी कतारें, कमल के फूल लेकर पहुंचे श्रद्धालु

भटियाणी चौहट्टा स्थित महालक्ष्मी मंदिर में धनतेरस पर अलसुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। माता का विशेष श्रृंगार किया गया। दर्शन के लिए बड़े-बुजुर्गों के साथ बच्चे भी उत्साह से कतार में खड़े नजर आए। श्रद्धालु हाथों में कमल के फूल लेकर पहुंचे और मां लक्ष्मी को अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में दिनभर भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा।

## धनतेरस पूजा का मुहूर्त शाम 6:23 से रात 8:21 बजे तक

ज्योतिषीय गणना के अनुसार उदयपुर में शुक्रवार को धनतेरस पूजा के लिए शाम 6:23 से रात 8:21 बजे तक का समय शुभ है। प्रदोष काल शाम 5:52 से रात 8:26 बजे तक रहेगा। इसी अवधि में यम दीपदान भी किया जा सकता है। स्थानीय पंचांग के अनुसार मुहूर्त में कुछ मिनट का अंतर संभव है। दीपोत्सव के अगले पड़ाव भी खास हैं। शनिवार, 7 नवंबर को नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी। रविवार, 8 नवंबर को दीपावली पर उदयपुर में मां लक्ष्मी की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 6:16 से रात 8:14 बजे तक रहेगा। इसके बाद 9 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 10 नवंबर को भाई दूज का पर्व मनाया जाएगा। इस तरह धनतेरस के साथ शुरू हुआ पांच दिवसीय दीपोत्सव अब उदयपुर की गलियों, बाजारों और घरों में अपने पूरे वैभव के साथ आगे बढ़ेगा। खरीदारी की चहल-पहल, मंदिरों की आस्था और रोशनी से नहाए शहर के बीच हर घर में सुख-समृद्धि और मंगल की कामना के दीप जलेंगे।

## सीबीएसई 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से, 204 विषयों की होगी परीक्षा




24 न्यूज अपडेट

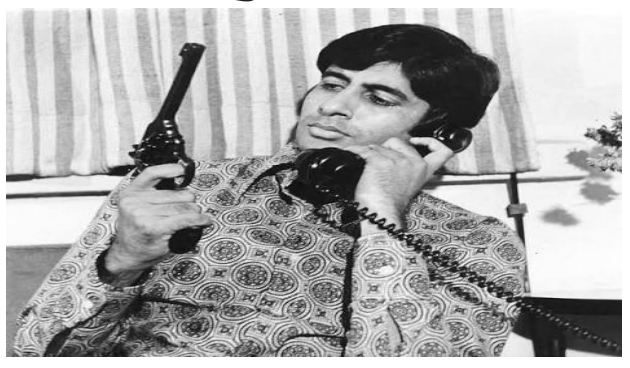
नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2026 की कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की संभावित परीक्षा तिथियां जारी कर दी हैं। बोर्ड के अनुसार दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को अब अपनी तैयारी के लिए समय-सारणी के अनुसार रणनीति बनाने का अवसर मिलेगा। जारी कार्यक्रम के मुताबिक, कक्षा 10वीं के विद्यार्थी 83 विषयों और कक्षा 12वीं के विद्यार्थी 121 विषयों की परीक्षा देंगे। इस तरह दोनों कक्षाओं में कुल 204 विषयों के पेपर आयोजित किए जाएंगे। सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे शुरू होंगी। सीबीएसई की ओर से परीक्षा तिथियों की अग्रिम घोषणा का उद्देश्य विद्यार्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देना है। छात्र अपने विषयों के अनुसार अध्ययन योजना तैयार कर सकते हैं और कठिन विषयों के दोहराव पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। बोर्ड की ओर से जारी संभावित तिथियों के आधार पर विद्यार्थियों को सलाह है कि वे अंतिम परीक्षा कार्यक्रम और अन्य दिशा-निर्देशों के लिए सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित नजर रखें।

## जयपुर में लैंडिंग से पहले हवा में लौटा इंडिगो विमान, 140 यात्रियों की अटकी सांसें

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। इंदौर से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-7136 शुक्रवार को पहली कोशिश में लैंड नहीं कर सकी। रनवे पर उतरने के दौरान पायलट ने विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। इस प्रक्रिया को विमानन की भाषा में 'गो-अराउंड' कहा जाता है। करीब 17 मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान में 140 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, विमान को दोपहर 1:15 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर उतरना था। लैंडिंग के दौरान पायलट को विमान की अप्रोच अस्थिर लगी। ऐसे में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पायलट ने लैंडिंग का प्रयास छोड़ दिया और विमान को दोबारा हवा में ले गए। इसके बाद विमान ने कुछ देर आसमान में चक्कर लगाए और दूसरे प्रयास में सुरक्षित उतर गया। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, पहली कोशिश में अप्रोच अनस्टेबल रहने के कारण पायलट ने गो-अराउंड का निर्णय लिया। इस दौरान किसी यात्री के घायल होने या विमान में तकनीकी खराबी की सूचना नहीं है।

## अमिताभ बच्चन के 'जलसा' को फिर बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई में हाई अलर्ट



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मुंबई में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। धमकी भरे ईमेल में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE), वर्ली रेसकोर्स और बॉम्बे हाईकोर्ट को भी निशाना बनाने की बात कही गई। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (BDDS) और अन्य एजेंसियों ने संबंधित स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, किसी भी जगह से संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारियों के अनुसार, साइबर पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान और IP एड्रेस का पता लगाने में जुटी है। गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को भी मुंबई की मेयर रितु तावड़े को धमकी भरा ईमेल मिला था। उसमें अमिताभ बच्चन और गायक दिलजीत दोसांझ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। मेल में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच अमिताभ के बंगले को निशाना बनाने और इसे 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला बताने की बात लिखी गई थी। दिलजीत को महालक्ष्मी रेसकोर्स में आत्मघाती हमले में निशाना बनाने की धमकी भी दी गई थी। उस समय भी पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने बीएमसी मुख्यालय सहित कई स्थानों की तलाशी ली थी। मुंबई में हाल के दिनों में सुरक्षा संबंधी घटनाओं के बीच यह धमकी पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना भी हुई थी। इस मामले में अब तक 12 आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई थी। फिलहाल ताजा धमकी की जांच में पुलिस ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

## चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में भीषण आग, चार जनरल कोच चपेट में आए; 1500 यात्रियों में मची अफरा-तफरी, सभी सुरक्षित



24 न्यूज अपडेट

चंडीगढ़। पंजाब में शुक्रवार दोपहर अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के इंजन के पास लगे जनरल कोच में भड़की आग ने देखते ही देखते चार डिब्बों को चपेट में ले लिया। हादसे के समय ट्रेन में करीब 1500 यात्री सवार थे। आग और धुएं का गुबार उठता देख यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। ट्रेन रुकते ही लोग जान बचाने के लिए नीचे उतरकर खेतों की ओर भागने लगे। कुछ यात्रियों ने घबराहट में चलती ट्रेन से छलांग भी लगा दी। राहत की बात रही कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसा फतेहगढ़ साहिब जिले में साधूगढ़ और पटियाला के सराय बंजारा रेलवे स्टेशन के बीच दोपहर करीब सवा एक बजे हुआ। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही थी। इसी दौरान जनरल कोच में आग भड़क उठी। सरकारी रेलवे पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर कोच के पंखे में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह बताया है। आग फैलने से पहले रेलवे का सुरक्षा तंत्र सक्रिय हुआ और ट्रेन रुक गई।

### तीन कोच पूरी तरह प्रभावित

अंबाला मंडल के सीनियर डीसीएम यशनजीत सिंह के अनुसार, आग से तीन कोच पूरी तरह प्रभावित हुए, जबकि चौथा कोच भी आंशिक रूप से इसकी चपेट में आया। रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। यात्रियों को करीब 500 मीटर दूर स्थित नजदीकी स्टेशन तक पहुंचने को कहा गया। वहां से यात्रियों को आगे भेजने के लिए न्यू जलपाईगुड़ी के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाई गईं। रेलवे अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच कराने की बात कही है।

## संपादकीय : प्रदूषण का घेरा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस मौसम में प्रदूषण से उपजा संकट कोई नया नहीं है। लगातार इस समस्या से दो-चार होते रहने के मद्देनजर सरकार ने इस वर्ष भी प्रदूषण को कम करने के लिए कई स्तर पर पाबंदियां लागू की हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि प्रदूषण की मार से निपटने के लिए हर वर्ष तय ढांचे में जो भी उपाय किए जाते हैं, उसके बावजूद दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर की हवा इस कदर जोखिम भरी और जहरीली क्यों हो जाती है। प्रदूषण पर काबू पाने के मकसद से ही इस समस्या पर नजर रखने और काम करने वाले महकमे आखिर क्यों इस कदर लाचार नजर आते हैं और दूसरी ओर, आम लोगों के सामने अपनी सेहत को दुरुस्त रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। गौरतलब है कि ठंड की आहट के बाद दिल्ली में एक बार फिर प्रदूषण की मुश्किल गहरा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 367 से 482 के बीच दर्ज किया जा रहा है। इस स्थिति को 'बहुत 'खराब' से भी गंभीर श्रेणी में माना जाता है। सवाल है कि इस वर्ष प्रदूषण के गहराने की आशंका के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने कई स्तर पर उपाय किए हैं, वाहनों की आवाजाही और निर्माण कार्यों आदि के मोर्चे पर पाबंदियां लगाई हैं । पचास फीसद कर्मचारियों के घर से काम करने के निर्देश की खबरें भी आई हैं। इसके बावजूद अगर प्रदूषण के स्तर में कमी आने के बजाय बढ़ोतरी हो रही है, तो इसकी क्या वजहें हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली की हवा में अचानक ही प्रदूषण का स्तर ज्यादा बढ़ने के पीछे मौसम में बदलाव, हवा की धीमी रफ्तार और बढ़ती नमी बड़ी वजह है । ऐसी स्थिति में प्रदूषण के कण हवा में फैलने के बजाय में जमीन के आसपास जमा हो रहे हैं। यही वजह है कि महज चार दिन पहले जहां दिल्ली में एक्यूआइ सिर्फ 117 दर्ज किया गया था, वहीं अब यह लगातार चार सौ के आसपास पहुंच गया है। यहां के सभी सत्तावन प्रदूषण निगरानी केंद्रों पर हवा की गुणवत्ता खराब या उससे भी बदतर श्रेणी में दर्ज की जा रही हैं। समुचे एनसीआर में तस्वीर कमोबेश यही है। दिल्ली में अब तक प्रदूषण के जिन कारकों की पहचान की जा सकी है, उसके मुताबिक वाहनों के धुएं से होने वाले प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से लेकर पराली जाने तक को मुख्य कारण माना गया है। मगर इसका सिरा खोज पाना अब भी मुश्किल है कि इन उपायों के बाद भी हवा में सूक्ष्म कण या प्रदूषण को जटिल बनाने वाले तत्त्व कहां से आ जाते है। इंसानी सेहत पर इसका काफी नकारात्मक असर पड़ता है और लोग लगातार आंखों में जलन तथा सांस की तकलीफ में बढ़ोतरी की शिकायत करते हैं। साथ ही हृदय रोगों के गंभीर होने की आशंका बढ़ जाती है। विचित्र यह है कि जिस समय दिल्ली सहित एनसीआर हवा की बेहद खराब गुणवत्ता और उससे उपजी समस्याओं से दो-चार है, उसी समय दक्षिण भारत, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों में स्थिति काफी बेहतर होती है असल मुश्किल प्रदूषण का संकट गहराने के मूल कारणों की पहचान और उससे निपटने के कारगर इंतजामों को प्राथमिकता न देना है। इसके बजाय आमतौर पर वैसे उपाय किए जाते हैं, पाबंदियों की घोषणा की जाती है, जिनसे हवा की गुणवत्ता में शायद ही कुछ सुधार हो पाता है। ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि आम लोगों को प्रदूषण फैलाने वाले मूल कारकों की पहचान कर उसी मुताबिक समाधान के रास्ते खोजे जाएं।

## असुरक्षित बचपन

विद्यालय बच्चों के लिए शिक्षा का केंद्र भर नहीं, बल्कि उनके सुरक्षित भविष्य की पहली पाठशाला भी होते हैं। अभिभावक अपने बच्चों को इस भरोसे के साथ स्कूल भेजते हैं कि वहां पढ़ाई के अलावा भी उनकी देखभाल होगी और वे सुरक्षित रहेंगे। मगर जब विद्यालय परिसर में ही बच्चों की जान जोखिम में आने लगे, तो भरोसा टूटना स्वाभाविक है। दिल्ली के मयूर विहार में नौ साल की बच्ची की कक्षा में अचानक गिरने के बाद हुई मौत ने स्कूलों की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों ने समय पर प्राथमिक उपचार और सीपीआर नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए हैं। बुनियादी सवाल यह है कि क्या विद्यालय ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं? उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे की शोर के बीच कक्षा में बैठी सात साल की बच्ची की मौत हो गई थी। आंध्र प्रदेश में शिक्षक की कथित पिटाई के बाद छह साल के बच्चे की मौत से लेकर पंचकूला के एक स्कूल में छात्रा पर एक अन्य छात्र के हमले ने भी विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा की चिंता बढ़ाई है। इन घटनाओं की प्रकृति अलग-अलग है, लेकिन इनके पीछे व्यवस्था की जवाबदेही का साझा सवाल है । स्कूलों में निगरानी, प्रशिक्षित कर्मचारियों, प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन सहायता और बच्चों के बीच हिंसा रोकने के इंतजाम कितने प्रभावी हैं? केवल सीसीटीवी कैमरे लगा देना सुरक्षा की गारंटी नहीं हो सकता। जरूरी है कि उनकी नियमित निगरानी हो और किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था भी हो। विडंबना है कि शिक्षा संस्थानों में अनुशासन और नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा के बुनियादी इंतजामों में लापरवाही सामने आती रहती है। सरकारों और शिक्षा विभागों को स्कूलों की जवाबदेही तय करनी होगी नियमित सुरक्षा अडिट, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, चिकित्सकीय सुविधाएं और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए। बच्चों की किसी स्कूल की कृपा या प्रबंधन की सुविधा का विषय नहीं, बल्कि उसकी कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी है। शिक्षा का मंदिर विद्यालय तभी भरोसेमंद हो सकता है, जब वहां बच्चों का बचपन भी सुरक्षित हो ।

# त्योहारों की मिठास में मिलावट का खेल! उदयपुर में 2 टन मावा पकड़ा, 136 डिब्बे जब्त, बाकी व्यापारियों को लौटाया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बीकानेर और अहमदाबाद से बसों में पहुंची थी खेप, मिठाई दुकानों तक सप्लाई से पहले खाद्य सुरक्षा टीम ने की कार्रवाई दीपोत्सव से पहले मिठाइयों की मांग बढ़ते ही मिलावटखोर भी सक्रिय हो गए हैं। इसी बीच खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को उदयपोल बस स्टैंड के पास बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब दो टन मावे की खेप पकड़ी। टीम ने 136 डिब्बे जब्त किए। प्रत्येक डिब्बे में लगभग 15 किलो मावा भरा था। यह खेप शहर की मिठाई दुकानों तक पहुंचने वाली थी, लेकिन सप्लाई शुरू होने से पहले ही विभाग ने उसे पकड़ लिया।

मावा बीकानेर और गुजरात के अहमदाबाद से बसों के जरिए उदयपुर लाया गया था। यहां पहुंचने के बाद इसे ऑटो में भरकर शहर की अलग-अलग मिठाई दुकानों पर पहुंचाने की तैयारी थी। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को इसकी भनक लग गई थी। फूड इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह चौहान और सहायक कर्मचारी मोहम्मद सलीम रात से ही मावे की आवक और उसकी सप्लाई पर नजर रखे हुए थे। लगातार रेकी के बाद टीम ने उदयपोल बस स्टैंड के पास खेप को रोककर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यापारियों को भी मौके पर बुलाया गया और मावे के नमूने लिए गए। सीएमएचओ ने बताया कि कुछ नमूनों की जांच में मावा मानकों के अनुरूप मिला है, इसलिए संबंधित खेप व्यापारियों को लौटा दी गई। शेष मावा सीज कर कोल्ड स्टोरेज में रखवाया गया है। इसकी जांच रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## शक्तिनगर बॉटलनेक की राह से हटी बड़ी अड़चन, आठ परिवारों को धनतेरस पर मिले पट्टे



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की यातायात व्यवस्था के लिए अहम शक्तिनगर बॉटलनेक को सुगम बनाने की राह में वर्षों से अटकी एक बड़ी प्रक्रिया आखिर पूरी हो गई। धनतेरस के दिन नगर निगम ने यहां प्रभावित सभी आठ विस्थापित परिवारों को भूखंडों के आवंटन पत्र, कब्जा पत्र और पट्टे सौंप दिए। महापौर पारस सिंघवी की पहल पर निगम ने तय एक माह की समयसीमा का इंतजार किए बिना ही दस्तावेज जारी कर दिए। इस प्रकरण के समाधान के लिए कुछ समय पहले महापौर की अध्यक्षता में निगम कार्यालय में विस्थापित परिवारों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों की बैठक हुई थी। इसमें आपसी सहमति से तय किया गया था कि सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर एक माह के भीतर परिवारों को आवंटन और कब्जा पत्र जारी कर दिए जाएंगे। महापौर ने मामले को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। निगम अधिकारियों और कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए निर्धारित अवधि से पहले ही सभी दस्तावेज तैयार कर परिवारों को सौंप दिए। दस्तावेज पाने वालों में सुनील कालरा, पुरुषोत्तम लीलानी, ओमप्रकाश डोडेजा, संजय पाहूजा, स्वरूप विनोद तुलसीजा, नन्दलाल बुद्धराज, मनोज कालरा और सुजाता कालरा शामिल हैं। इस मौके पर निगम उपायुक्त हरि सिंह देवल, उपनगर नियोजक सिराजुद्दीन, सहायक नगर नियोजक शुचिता कोठारी, क्षेत्रीय पार्षद विजय आहूजा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौतम यादव और राजेश जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

यातायात सुधार की परियोजना को मिलेगी गति

शक्तिनगर बॉटलनेक शहर के उन व्यस्त हिस्सों में शामिल है, जहां सड़क की बाधा के कारण यातायात प्रभावित होता रहा है। आठ परिवारों के विस्थापन से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इस बाधा को दूर करने के विकास कार्य को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। महापौर ने कहा कि निगम की प्राथमिकता परियोजना को जल्द पूरा कर शहरवासियों को लंबे समय से चली आ रही यातायात समस्या से राहत दिलाना है। दस्तावेज मिलने पर परिवारों और समाजजनों ने निगम प्रशासन का आभार जताया।

## धनतेरस पर निम्बाहेड़ा में जीवंत हुई सौ साल पुरानी परंपरा, महिलाओं ने गीत गाते हुए जुटाई लाल मिट्टी



24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। दीपावली के पांच दिवसीय महापर्व की शुरुआत धनतेरस के साथ ही निम्बाहेड़ा में मेवाड़ की प्राचीन लोकपरंपरा एक बार फिर जीवंत हो उठी। आधुनिक दौर में जहां धनतेरस पर सोना-चांदी, आभूषण और नए बर्तन खरीदने का प्रचलन बढ़ा है, वहीं निम्बाहेड़ा क्षेत्र में महिलाएं आज भी अपनी सौ साल से अधिक पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए लाल मिट्टी लेने के लिए सुबह-सुबह घरों से निकलीं। प्रकृति, संस्कृति और लोक आस्था से जुड़ी यह परंपरा क्षेत्र की विशिष्ट पहचान बनी हुई है। धनतेरस की सुबह विभिन्न स्थानों पर महिलाओं के समूह पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ लाल एवं पीली मिट्टी एकत्रित करते नजर आए। महिलाएं सामूहिक रूप से मिट्टी खोदकर उसे घर ले जाने के लिए एकत्रित करती रहीं। इस दौरान पारंपरिक लोकगीतों की गूंज से वातावरण में उत्सव और लोकसंस्कृति का अनूठा रंग दिखाई दिया। महिलाओं ने मिट्टी लेने से पूर्व उसका पूजन किया तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार उसे अपने घर लेकर पहुंचीं। दीपावली पर घर-आंगन की लिपाई में होगा उपयोग

क्षेत्रीय मान्यताओं के अनुसार धनतेरस पर लाई गई इस मिट्टी का विशेष धार्मिक एवं पारंपरिक महत्व है। दीपावली के अवसर पर इसी मिट्टी से घरों के आंगन, मुख्य द्वार, चूल्हे और अन्य स्थानों की लिपाई-पुताई की जाती है। मान्यता है कि मिट्टी से घर की शुद्धि और पवित्रता होती है तथा दीपावली पर माता लक्ष्मी के स्वागत के लिए घर-आंगन को तैयार किया जाता है। यह परंपरा केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्रकृति के प्रति सम्मान और पारंपरिक जीवनशैली की गहरी भावना भी जुड़ी हुई है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजी जा रही लोकसंस्कृति निम्बाहेड़ा में प्रचलित यह परंपरा इस बात का प्रमाण है कि आधुनिकता और बदलते समय के बावजूद लोकजीवन से जुड़ी मान्यताएं आज भी समाज में अपना विशेष स्थान रखती हैं। बुजुर्गों से मिली इस परंपरा को महिलाएं नई पीढ़ी तक पहुंचा रही हैं। सामूहिक रूप से मिट्टी लेने जाना, पारंपरिक गीत गाना और श्रद्धापूर्वक मिट्टी का पूजन करना इस आयोजन को केवल एक रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनाता है।

## उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के लंबित आवेदनों की तीन दिन में करें आक्षेप पूर्ति

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 नवम्बर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2025-26 के लिए संचालित विभिन्न उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के लंबित आवेदनों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने राजकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों तथा विद्यार्थियों के स्तर पर लंबित और आक्षेपित आवेदनों की पूर्ति तीन दिवस में करने के निर्देश दिए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू समुदाय, मिरासी एवं भिष्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आवेदन लंबित हैं। उन्होंने संबंधित शिक्षण संस्थानों एवं छात्र-छात्राओं को निर्देश दिए हैं कि छात्रवृत्ति पोर्टल पर लंबित आवेदनों की आक्षेप पूर्ति तीन दिवस में करवाकर उन्हें पोर्टल के माध्यम से अग्रेषित करना सुनिश्चित करें, ताकि विभाग द्वारा छात्रवृत्ति स्वीकृति की कार्यवाही की जा सके। निर्धारित समय में आक्षेप पूर्ति नहीं होने अथवा इसके बाद आवेदन निरस्त होने पर संबंधित विद्यार्थी एवं शिक्षण संस्थान की जिम्मेदारी रहेगी।

## स्वस्थ रहने का मूल मन्त्र आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारे : डॉ औदीच्य



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भगवान धन्वंतरि जयंती के पावन अवसर पर शुक्रवार को राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय, सिंधी बाजार, उदयपुर में धन्वंतरि जयंती समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान धन्वंतरि का विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन कर सर्वजन के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं निरोगी जीवन की मंगलकामना की गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद कुलदीप मेहता एवं पूर्व पार्षद डॉ. शिल्पा पामेचा ने विशेष रूप से उपस्थिति दी। अतिथियों ने भगवान धन्वंतरि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की तथा आयुर्वेद की प्राचीन एवं गौरवशाली चिकित्सा परंपरा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। औषधालय के प्रभारी डॉ. शोभालाल औदीच्य, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने भगवान धन्वंतरि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद एवं चिकित्सा का आराध्य देव माना जाता है। आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, जो व्यक्ति को स्वस्थ जीवन जीने की कला सिखाती है। आयुर्वेद का उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना भी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, खानपान की अनियमितता एवं मानसिक तनाव के कारण अनेक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में आयुर्वेद के सिद्धांतों, दिनचर्या, ऋतुचर्या, संतुलित आहार एवं नियमित योग को अपनाकर स्वस्थ जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है। उन्होंने आमजन से आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को अपनी जीवनशैली में शामिल करने तथा औषधालय में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। डॉ शोभालाल औदीच्य,डॉ. मोनिका सिंह, मनीष गौड, टीना गौड, कमल पोरवाल, दिनेश पोरवाल, दीपक पामेचा, महेश जी, मोहम्मद इब्राहीम, पिंकी शर्मा, राजकुमार, इंदिरा डामोर, कंचन कुमार डामोर, हिना रानी पाल, गजेंद्र कुमार आमेटा, राजेंद्र पटेल एवं सहित औषधालय के चिकित्सकीय एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कन्हैयालाल हत्याकांड: रियाज अत्तारी, गौस मोहम्मद समेत आठ आरोपियों की अपील खारिज, यूएपीए की धाराओं में चलेगा मुकदमा; हाईकोर्ट ने एनआईए कोर्ट के चार्ज फ्रेम करने के आदेशों को रखा बरकरार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/जयपुर। कन्हैयालाल हत्याकांड में आतंकवाद की धाराओं को हटवाने की आरोपियों की कोशिश को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। मोहम्मद रियाज अत्तारी, गौस मोहम्मद समेत आठ आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत तय आरोपों से राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आरोपियों की दोनों अपीलें खारिज करते हुए एनआईए की विशेष अदालत के आरोप तय करने संबंधी आदेशों में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। इसका सीधा मतलब है कि आरोपियों के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और आतंकवाद से जुड़ी धाराओं में मुकदमे की कार्यवाही आगे बढ़ेगी।

मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायमूर्ति समीर जैन की खंडपीठ ने 5 नवंबर को दिए फैसले में स्पष्ट किया कि आरोप तय करने के स्तर पर अदालत को मिनी ट्रायल करने या साक्ष्यों की बारीकी से जांचकर उनकी विश्वसनीयता का अंतिम आकलन करने की जरूरत नहीं है। इस चरण पर अदालत को यह देखना होता है कि अभियोजन की ओर से पेश सामग्री प्रथम दृष्टया अपराध का मामला बनाती है या नहीं। यदि उपलब्ध सामग्री से गंभीर संदेह पैदा होता है तो आरोप तय किए जा सकते हैं। अदालत ने कहा कि आरोपियों की ओर से उठाए गए कई सवाल साक्ष्यों के मूल्यांकन से जुड़े हैं, जिनका परीक्षण मुकदमे के दौरान होना चाहिए।

### सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुआ विवाद, साजिश के आरोप तक पहुंची जांच

यह मामला 28 जून 2022 को उदयपुर के मालदास स्ट्रीट स्थित सुप्रीम टेलर्स में कन्हैयालाल की निर्मम हत्या से जुड़ा है। एनआईए की जांच के अनुसार, नूपुर शर्मा की टेलीविजन बहस में की गई टिप्पणी से जुड़े सोशल मीडिया विवाद के बाद कन्हैयालाल को धमकियां मिली थीं। अभियोजन का आरोप है कि इसी पृष्ठभूमि में हत्या की साजिश रची गई। दो मुख्य हमलावरों ने दुकान में घुसकर कन्हैयालाल की हत्या की और वारदात का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। एनआईए ने मामले को व्यापक साजिश और आतंक फैलाने की कोशिश के रूप में जांचा। जांच के बाद आरोपपत्र पेश किया गया और विशेष अदालत ने 12 जनवरी तथा 13 फरवरी 2024 को आरोप तय किए थे। इन्हीं आदेशों को आठ आरोपियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

### बचाव पक्ष की दलील- आतंकी संगठन से संबंध नहीं, वीडियो में भी ऐसा कुछ नहीं

आरोपियों की ओर से अधिवक्ता मोहम्मद सलीम, सैयद सआदत अली और अन्य वकीलों ने दलील दी कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे साबित हो कि आरोपी किसी प्रतिबंधित या आतंकवादी संगठन के सदस्य थे अथवा उसके निर्देश पर काम कर रहे थे। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि कन्हैयालाल की ओर से सोशल मीडिया पर टिप्पणी साझा किए जाने से पैदा हुआ विवाद अपने आप में यूएपीए जैसे कठोर कानून को लागू करने का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता। बरामद वीडियो की सामग्री पर भी सवाल उठाते हुए कहा गया कि उसमें ऐसा कुछ नहीं है, जिससे सार्वजनिक शांति या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की बात साबित हो।

### एनआईए का जवाब- साजिश केवल संगठन की सदस्यता से साबित नहीं होती

एनआईए की ओर से इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा गया कि यूएपीए की धारा 18 के तहत आपराधिक साजिश का दायरा व्यापक है। इसमें केवल आतंकवादी वारदात को अंजाम देना ही नहीं, बल्कि उसकी योजना बनाना, तैयारी करना, उकसाना और सहायता करना भी शामिल है। जांच में सामने आई कथित धमकियों, वीडियो, आरोपियों के आपसी संपर्क और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को अलग-अलग देखने के बजाय समग्र रूप से परखना जरूरी है। एनआईए का कहना था कि किसी आतंकवादी संगठन की औपचारिक सदस्यता नहीं होना अपने आप में आरोपों से मुक्ति का आधार नहीं बन सकता।

### साजिश का प्रत्यक्ष प्रमाण जरूरी नहीं, परिस्थितियों की कड़ी भी अहम

हाईकोर्ट ने बचाव पक्ष की दलीलों को आरोपों से मुक्ति का निर्णायक आधार मानने से इनकार किया। अदालत ने कहा कि आपराधिक साजिश का प्रत्यक्ष प्रमाण हर मामले में उपलब्ध होना जरूरी नहीं है। परिस्थितियों की सामूहिक कड़ी से भी साजिश के समझौते का अनुमान लगाया जा सकता है। वीडियो में कौन से शब्द हैं, आरोपियों का किसी संगठन से संबंध था या नहीं और अन्य साक्ष्यों का वास्तविक महत्व क्या है, इन सभी पहलुओं का परीक्षण मुकदमे के दौरान होगा। अदालत ने यह भी माना कि आरोप तय करने के आदेशों में ऐसी कोई स्पष्ट अवैधता, विकृति या अधिकार क्षेत्र संबंधी त्रुटि नहीं है, जिसके आधार पर उनमें हस्तक्षेप किया जाए।

### आरोप तय होना दोष सिद्ध होना नहीं

हाईकोर्ट ने दोनों अपीलें खारिज करते हुए निचली अदालत के आदेश बरकरार रखे। हालांकि खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि अपीलों के निस्तारण के दौरान की गई टिप्पणियों को आरोपियों के दोषी होने का निष्कर्ष नहीं माना जाएगा। ट्रायल कोर्ट साक्ष्यों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करेगा और मुकदमे की सुनवाई कानून के अनुसार जारी रहेगी। यानी आठों आरोपियों को फिलहाल यूएपीए की धाराओं से राहत नहीं मिली है, लेकिन उनकी दोषसिद्धि का फैसला अभी होना बाकी है।

## चेनपुरिया से दो नाबालिग बालिकाएं लापता, परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट

उदयपुर। कानोड़ थाना क्षेत्र के चेनपुरिया गांव से दो नाबालिग बालिकाओं के बिना बताए घर से चले जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में परिजनों ने 5 नवंबर को पुलिस को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी की पुत्री और उसके भाई की पुत्री 3 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे बिना किसी को बताए घर से चली गईं। परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

## भाई की नाबालिग बेटी घर से लापता, गुमशुदगी दर्ज

उदयपुर। वल्लभनगर थाना क्षेत्र के आड़ादोल भानामगरा इलाके से एक नाबालिग बालिका के लापता होने का मामला सामने आया है। बालिका के परिजनों ने 5 नवंबर को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी के भाई की बेटी 3 नवंबर को शाम करीब 6:29 बजे बिना बताए घर से चली गई। परिजनों ने आसपास और संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू कर दी है।

### जमीन पर कब्जे के विवाद में परिवार से मारपीट, घर के कैमरे भी तोड़े

उदयपुर। मावली थाना क्षेत्र के लोढ़ावास गांव में जमीन पर कब्जे के विवाद को लेकर एक परिवार के साथ मारपीट और घर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ने का मामला सामने आया है। पीड़िता फूलीबाई (40) पत्नी स्व. तुलसीराम गायरी निवासी लोढ़ावास ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 3 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे किशन पुत्र दल्लाजी और चांदीबाई सहित अन्य लोग एकराय होकर उनके मकान पर पहुंचे। आरोप है कि जमीन पर कब्जा करने की नीयत से आरोपियों ने घर में लगे कैमरे तोड़ दिए और पीड़िता तथा उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। मावली पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## सरपंच चुनाव में वोट को लेकर खूनी संघर्ष, मां की मौत; पिता और बड़े भाई पर भी रॉड से हमला

24न्यूज अपडेट

उदयपुर। पंचायत चुनाव की रंजिश घर की चारदीवारी तक पहुंच गई। चचेरे भाई को वोट नहीं देने की बात पर हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही पिता पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आई मां के सिर पर भी रॉड लग गई। गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। हमले में पिता और बड़े भाई को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी मौके से चला गया, जिसे पुलिस ने बाद में डिटेन कर लिया। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के महुवाड़ा गांव में शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे हुई। पुलिस के अनुसार, गांव निवासी लालचंद के परिवार में सरपंच चुनाव को लेकर तनाव था। लालचंद के एक भाई की पत्नी और दूसरे भाई का बेटा चुनाव मैदान में थे। गुरुवार देर रात मतगणना के बाद भाई की पत्नी चुनाव जीत गईं, जबकि भतीजे को हार का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजे को लेकर शुक्रवार तड़के लालचंद का छोटा बेटा राहुल परमार घर पहुंचा और पिता से झगड़ने लगा। आरोप है कि उसने पिता पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर घर में सो रहे मां पुष्पा और बड़ा बेटा गणेश बीच-बचाव के लिए पहुंचे। इसी दौरान राहुल के हाथ में मौजूद रॉड पुष्पा के सिर पर लग गई। वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ीं। गणेश परमार घायल माता-पिता को निजी वाहन से डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने पुष्पा को मृत घोषित कर दिया, जबकि लालचंद का उपचार जारी है। गणेश के अनुसार, राहुल शराब पीकर घर आया था और पिता से इस बात पर झगड़ रहा था कि उन्होंने उसके चचेरे भाई को वोट क्यों नहीं दिया। उसने रॉड से हमला किया, जिसमें मां की जान चली गई और पिता भी घायल हो गए। थानाधिकारी सोहनलाल बामनिया ने बताया कि चुनाव में वोट देने को लेकर हुए विवाद के दौरान मारपीट हुई। पुलिस ने आरोपी राहुल को डिटेन कर लिया है। मारपीट के दौरान उसके सिर में भी चोट आई है, जिसका उपचार कराया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

## अवैध शराब के खिलाफ अभियान, 1.18 लाख लीटर वॉश नष्ट; 94 गिरफ्तार



24न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग के विशेष निरोधात्मक अभियान में एक से 5 नवंबर तक 590 अभियोग दर्ज किए गए और 94 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देश पर चलाए गए अभियान में 1 लाख 18 हजार 371 लीटर वॉश नष्ट किया गया। साथ ही 1502 लीटर देशी मदिरा, 7076 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 392 लीटर बीयर और 4442 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। आठ दुपहिया वाहन भी कब्जे में लिए गए। अभियान के तहत कोटा के रामगंजमंडी में 2 हजार लीटर वॉश और पांच अवैध भट्टियां नष्ट कर 54 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। हनुमानगढ़ में 4 हजार लीटर वॉश और छह कच्ची भट्टियां नष्ट कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जयपुर में देशी शराब के 400 पव्वे जब्त कर चार अभियोग दर्ज किए गए। श्रीगंगानगर, जोधपुर, भीलवाड़ा, सीकर, टोंक, झालावाड़ और सवाईमाधोपुर में भी दबिश देकर अवैध शराब जब्त की गई और भट्टियां नष्ट की गईं। विभाग के अनुसार प्रदेशभर में गश्त और नाकाबंदी जारी रहेगी।

## पंचवटी चौराहे से खिलौने-गुब्बारे बेचने वाली युवती लापता

उदयपुर। शहर के पंचवटी चौराहे से एक नाबालिग बालिका के लापता होने का मामला सामने आया है। हाथीपोल थाना पुलिस में 5 नवंबर को इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार बालिका पंचवटी चौराहे पर खिलौने और गुब्बारे बेचने का काम करती थी। 1 नवंबर को शाम करीब 5:30 बजे वह वहां से बिना किसी को बताए कहीं चली गई। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर बालिका की तलाश शुरू कर दी है।

## घर में घुसकर पिता-पुत्री से मारपीट, चोटें आने पर मामला दर्ज

उदयपुर। घासा थाना क्षेत्र के सांगवा गांव में घर में घुसकर पिता-पुत्री के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता हीना डांगी (20) पुत्री हक्का जी डांगी निवासी भोपों का कुआं, सांगवा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 5 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे शिवलाल पुत्र लोगरजी सहित अन्य लोग उनके घर आए। आरोप है कि आते ही आरोपियों ने पीड़िता और उसके पिता हक्का डांगी के साथ मारपीट शुरू कर दी, जिससे दोनों को चोटें आईं। पुलिस ने 5 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## धनतेरस पर मेनाल में दर्दनाक हादसा, पुलिया निर्माण में जुटे मजदूरों पर गिरी कार; तीन की मौत, 9 घायल

24न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। धनतेरस के दिन चित्तौड़गढ़-कोटा फोरलेन पर मेनाल के पास शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुलिया निर्माण में जुटे श्रमिकों पर जा गिरी। हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार परिवार के छह सदस्यों सहित कुल नौ लोग घायल हो गए। घायलों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं। बेगूं थाना प्रभारी चंपाराम के अनुसार, हादसा मेनाल में बालाजी मंदिर के पास हुआ। कार में सवार परिवार सांवलियाजी के दर्शन कर कोटा लौट रहा था। इसी दौरान पुलिया के पास चालक का कार से नियंत्रण बिगड़ गया। कार निर्माण कार्य के लिए खोदे गए गड्ढे में जा गिरी, जहां करीब आधा दर्जन श्रमिक काम कर रहे थे। बताया गया कि कार गड्ढे में गिरने से पहले पानी के टैंकर से भी टकराई, जिससे टैंकर पलट गया। हादसे की सूचना पर बेगूं और मांडलगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य के बाद मृतकों और घायलों को मांडलगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल महिला सहित पांच लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जिले की सीमा के पास हुआ। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

## रॉन्ग साइड से आई बाइक ने सेवानिवृत्त शिक्षक को मारी टक्कर, सिर में गंभीर चोट से मौत



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। धंबोला गांव के पास तेज रफ्तार और कथित तौर पर रॉन्ग साइड से आ रही बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे सेवानिवृत्त शिक्षक प्रफुल्ल कुमार पंड्या की मौत हो गई। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई थी। उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। धंबोला थाने के एसआई अशोक कुमार के अनुसार, धंबोला निवासी प्रफुल्ल कुमार पंड्या पैदल सीमलवाड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान न्यू पंचायत इलेक्ट्रिकल्स दुकान के पास सीमलवाड़ा की तरफ से आ रही बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक बाइक चालक गलत दिशा में लापरवाही से वाहन चला रहा था। टक्कर लगने से पंड्या पीछे की ओर सिर के बल गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें उपचार के लिए पहले एक अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया। मेड़ता एम्स अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मॉर्च्युरी में रखवाया और पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों और बाइक चालक के संबंध में जांच शुरू कर दी है।

## घर के बाहर खड़ी क्रेटा कार चोरी, सुखेर पुलिस ने दर्ज किया मामला

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र के श्याम विहार में घर के बाहर खड़ी क्रेटा कार चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित निखिल कुमावत (25) निवासी न्यू आरटीओ ऑफिस के पास, शुभम एजेंसी के पीछे, श्याम विहार ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि अज्ञात चोर उनकी कार चुराकर ले गए। पुलिस ने 5 नवंबर को चोरी का मामला दर्ज किया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

## प्रतापनगर पुलिस ने 423 ग्राम डोडा चूरा पकड़ा, अजमेर का युवक नामजद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ के अवैध कब्जे के मामले में एक युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, रतनलाल (31) पुत्र रामा निवासी गुर्जरों का मोहल्ला, थल, रूपनगढ़ जिला अजमेर के कब्जे से 423 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

# वेतनमान के आधार पर अवकाश भुगतान में भेदभाव का आरोप, शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, दीपावली से पहले सभी कर्मचारियों की लंबित वित्तीय देयताएं चुकाने की मांग, SI-GPF, बोनस और सेवानिवृत्ति परिलाभों के भुगतान का मुद्दा उठाया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 नवंबर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने राज्य सरकार के वित्त विभाग की ओर से कर्मचारियों की लंबित वित्तीय देयताओं के भुगतान को लेकर किए गए निर्णयों पर आपत्ति जताई है। संघ का आरोप है कि उपार्जित अवकाश के नकदीकरण में वेतनमान के आधार पर सीमा तय कर कर्मचारियों के बीच भेदभाव किया जा रहा है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) जितेन्द्र ओझा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने कहा कि कर्मचारियों के आक्रोश और काली दीपावली मनाने के आह्वान के बाद महासंघ के साथ हुई वार्ता में वित्त विभाग ने जो निर्णय किए हैं, वे सभी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं करते। उनका कहना है कि एक ही सरकार के कर्मचारियों के साथ वेतनमान के आधार पर अलग-अलग व्यवहार उचित नहीं है। सरकार को सभी पात्र कर्मचारियों को समान राहत देनी चाहिए।

जिला अध्यक्ष प्रथम कमलेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश के लाखों कर्मचारियों ने समर्पित उपार्जित अवकाश के भुगतान के लिए नियमानुसार आवेदन किए हैं, लेकिन वित्त विभाग ने पे-लेवल 11 (ग्रेड पे 4200) तक के कर्मचारियों के बिलों की राशि जारी करने पर ही सहमति दी है। इससे उच्च वेतनमान वाले कर्मचारी भुगतान से वंचित रह सकते हैं। संघ ने सभी पात्र कर्मचारियों को बिना किसी वेतनमान संबंधी भेदभाव के पूरी राशि देने की मांग की।

ज्ञापन में राज्य बीमा (SI) और सामान्य भविष्य निधि (GPF) के लंबित भुगतान का मुद्दा भी उठाया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि ये कर्मचारियों की अपनी जमा पूंजी है। शादी-विवाह, मकान निर्माण और पारिवारिक जरूरतों के लिए ऋण एवं आहरण के स्वीकृत प्रकरणों का भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। संघ ने लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करने की मांग की।

शिक्षक संघ ने दीपावली बोनस की 25 प्रतिशत राशि सामान्य भविष्य निधि में जमा कराने की व्यवस्था पर भी पुनर्विचार करने को कहा। संघ का तर्क है कि अधिकतम 6774 रुपए के सीमित बोनस में से राशि जीपीएफ में जमा होने से कर्मचारियों को त्योहार पर मिलने वाली तत्काल आर्थिक राहत और कम हो जाती है। इसलिए बोनस की पूरी राशि नकद देने की मांग की गई।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित सेवा परिलाभों को लेकर भी संघ ने चिंता जताई। पदाधिकारियों के अनुसार, कई कर्मचारी सेवानिवृत्ति के छह से आठ महीने बाद भी राज्य बीमा, जीपीएफ, ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण की राशि के लिए कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। संघ ने ऐसे सभी प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण कर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सतीश जैन, भैरूलाल कलाल, प्रेम सिंह भाटी, मनोज मोची, हितेन्द्र दवे, सुनील माखीजा, राजेश व्यास, रईस खान, प्रकाश जैन, अमृत कल्याण और धर्मेन्द्र पालीवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संघ ने सरकार से दीपावली से पहले सभी लंबित वित्तीय देयताओं का भुगतान कर कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कार्मिकों को राहत देने की मांग की।

# रीको ने निगम को दिए 1.23 करोड़ के तीन नए दमकल वाहन, अंबेरी और सीसारमा में भी खुलेंगे फायर स्टेशन



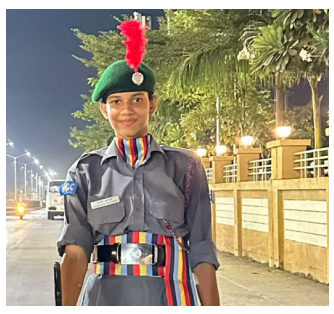
24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के तेजी से फैलते दायरे और औद्योगिक क्षेत्रों में आगजनी की आशंका के बीच नगर निगम की अग्निशमन व्यवस्था को नए संसाधन मिले हैं। रीको (राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम) ने नगर निगम को तीन नए फायर ब्रिगेड वाहन सौंपे हैं। शुक्रवार को महापौर पारस सिंघवी ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों का इस्तेमाल विशेष रूप से रीको औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए किया जाएगा। महापौर ने कहा कि आगजनी जैसी आपातकालीन घटनाओं में शुरुआती समय बेहद अहम होता है। अंबेरी और सीसारमा में नए अग्निशमन केंद्र की तैयारी शहर के बाहरी इलाकों में बढ़ती आबादी और नगर निगम के विस्तारित क्षेत्र को देखते हुए अग्निशमन सेवाओं का दायरा बढ़ाने की भी तैयारी है। महापौर ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी को अंबेरी और सीसारमा में नए अग्निशमन केंद्र स्थापित करने की दिशा में जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में दमकल की उपलब्धता बेहतर होने से घटनास्थल तक पहुंचने में लगने वाला समय घटेगा और आपात स्थिति में राहत कार्य शीघ्र शुरू किए जा सकेंगे। महापौर ने कहा कि निगम क्षेत्र बढ़ने के साथ अग्निशमन सेवाओं का विस्तार भी जरूरी है। शहर के हर हिस्से में आपातकालीन सेवाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना निगम की प्राथमिकता है।

## तीनों वाहनों की कीमत 1.23 करोड़ रुपये

मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि रीको की ओर से उपलब्ध करवाए गए तीनों फायर ब्रिगेड वाहनों की कुल लागत करीब 1.23 करोड़ रुपये है। वाहन आधुनिक अग्निशमन सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इनके बेड़े में शामिल होने से आग पर नियंत्रण और राहत-बचाव कार्यों को गति मिलेगी। इस अवसर पर शहर विधायक ताराचंद जैन और समाजसेवी गजपाल सिंह राठौड़ ने भी रीको की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के लिए दमकल वाहनों की उपलब्धता जरूरी है। सरकारी विभागों और औद्योगिक संस्थाओं के समन्वय से जनसुरक्षा के प्रयासों को प्रभावी बनाया जा सकता है। निगम उपायुक्त हरि सिंह देवल, रीको के अजय पंड्या, समाजसेवी देवीलाल सालवी, अग्निशमन अधिकारी शिवराम मीणा सहित नगर निगम के पार्षद, अग्निशमन शाखा के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

# पीएम मोदी की रैली के ड्रिल दल में शामिल हुई उदयपुर की राजश्री, राष्ट्रीय एकता शिविर में किया राजस्थान का प्रतिनिधित्व



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गुजरात में आयोजित विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर-2026 में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी) की छात्रा और एनसीसी कैडेट राजश्री सतपथी ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। शिविर के दौरान 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के ड्रिल दल में शामिल होना उनके लिए खास उपलब्धि रहा। एमपीयूएटी के सामुदायिक एवं व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा राजश्री ने 7 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित इस शिविर में हिस्सा लिया। शिविर दो चरणों में अहमदाबाद और एकतानगर (केवड़िया) में आयोजित हुआ। इसमें देश के 17 एनसीसी निदेशालयों के कैडेट्स ने भाग लिया। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में ड्रिल दल का हिस्सा बनकर राजश्री ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। शिविर में राजश्री को विभिन्न राज्यों की संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने के साथ राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के केयरटेकर ऑफिसर रामनारायण कुम्हार ने इसे महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. विक्रमादित्य दवे ने राजश्री को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

# फतेहसागर में 110 कैडेट्स ने 10 दिन में तय किए 405 किलोमीटर, सेलिंग एक्सपीडिशन का समापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतेहसागर झील में 1 राजस्थान नेवल यूनिट एनसीसी की ओर से आयोजित 10 दिवसीय अंतर-यूनिट सेलिंग एक्सपीडिशन का शुक्रवार को सांस्कृतिक संध्या के साथ समापन हुआ। 28 अक्टूबर से 6 नवंबर तक चले इस अभियान में उदयपुर, जयपुर और अजमेर के 110 कैडेट्स ने 27 फीट ड्रॉप कील व्हेलर और एंटरप्राइज क्लास नौकाओं से कुल 405 किलोमीटर नौकायन किया। कैडेट्स ने नाव पलटने पर उसे सुरक्षित सीधा करने का लाइव अभ्यास भी किया। कमांडिंग ऑफिसर कमांडर ब्रजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि अभियान में नौकायन के साथ कैडेट्स को 10 घंटे का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रशिक्षण, पॉश और पॉक्सो कानूनों की जानकारी तथा एसडीआरएफ की ओर से सीपीआर, प्राथमिक उपचार और सर्पदंश प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। झील संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक, वॉल आर्ट, सेमाफोर, वॉलीबॉल और ड्रिल प्रतियोगिताएं भी हुईं। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार क्लॉड डीसूजा ने कैडेट्स के साहस और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह का समापन एनसीसी गान और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

# तंबाकू का डबल इंजन : एक तरफ तंबाकू उत्पादों की बिक्री, दूसरी तरफ युवाओं को तंबाकू से दूर रखने का अभियान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सरकार एक तरफ तंबाकू उत्पादों पर कर लगाकर उनसे राजस्व जुटाती है, वहीं दूसरी तरफ युवाओं को तंबाकू से दूर रखने के लिए अभियान चलाती है। सरकारी तंत्र की यह दोहरी भूमिका सवाल खड़े करती है। एक तरफ तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों को लेकर स्कूलों में जागरूकता फैलाने, सार्वजनिक स्थानों पर बिक्री और सेवन के नियमों की पालना कराने तथा अवैध बिक्री पर कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं, दूसरी ओर तंबाकू उत्पादों की वैध बिक्री का पूरा बाजार भी जारी है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के मिनी सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई। जिला कलक्टर के निर्देशन में आयोजित बैठक में टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 4.0 के क्रियान्वयन और तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण को लेकर चर्चा की गई। अधिकारियों को स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां चलाने तथा कोटपा अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि 28 अक्टूबर से 28 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उद्देश्य युवाओं को तंबाकू सेवन के नुकसान बताना और इसके उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण करना है। चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग को विद्यार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करने के लिए गतिविधियां आयोजित करने को कहा गया है। मगर बड़ा सवाल है कि सरकार ही तो तंबाकू बिकवा रही है, वही विशेष अभियान भी चला रही है रोकथाम का। ये कैसा डबल इंजन है जिसमें दोनों इंजन अलग अलग दिशा में रेलगाड़ी को खींच रहे हैं। पुलिस, नगर निगम और चिकित्सा विभाग को सार्वजनिक स्थानों पर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

अभियान की सफलता सिर्फ चालान से कैसे तय होगी? बैठक में तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री पर नकेल कसने और नियमों का पालन कराने पर जोर दिया गया, लेकिन बड़ा सवाल तंबाकू की उपलब्धता और उसकी वैध बिक्री का है। बाजार में उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं, तब केवल विद्यार्थियों को जागरूक करने से अभियान का लक्ष्य हासिल करना कितना संभव होगा? बैठक में एसडीएम बड़गांव मनसुख डामोर, सीएमएचओ द्वितीय डॉ. महेंद्र राठौड़, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक दुर्गेश मेनारिया, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मोहनलाल मेघवाल, पुलिस उपाधीक्षक यातायात भंवरलाल चौधरी, औषधि नियंत्रण अधिकारी नेहा बंसल, नगर निगम के स्वास्थ्य निरीक्षक शेखर वर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# 117 ग्राम पंचायतों में चुनाव के लिए 36 मोबाइल दलों सहित पुलिस का कड़ा पहरा, शांतिपूर्ण संपन्न हुआ मतदान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पंचायती राज चुनाव-2026 के तृतीय चरण में उदयपुर जिले की खेरवाड़ा, नयागांव, ऋषभदेव और कल्याणपुर पंचायत समितियों में मतदान से लेकर मतगणना और उप सरपंच निर्वाचन तक की प्रक्रिया पुलिस के कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच शांतिपूर्ण संपन्न हुई। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में 117 ग्राम पंचायतों के 309 मतदान केंद्रों और एक सहायक केंद्र पर सुरक्षा का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 नवंबर को मतदान दल रवाना हुए। 3 नवंबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों तथा 5 नवंबर को सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान हुआ। मतगणना मतदान समाप्ति के बाद संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कराई गई। शुक्रवार को उप सरपंच पद के चुनाव भी शांतिपूर्वक संपन्न हुए। सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक हेड कांस्टेबल या कांस्टेबल के साथ एक होमगार्ड तैनात किया गया। वहीं प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पुलिसकर्मियों का अतिरिक्त दल लगाया गया। 28 संवेदनशील ग्राम पंचायतों में अतिरिक्त सशस्त्र बल तैनात रहा। निगरानी और त्वरित कार्रवाई के लिए 36 पुलिस मोबाइल दल वाहन और वायरलेस सेट के साथ लगातार गश्त करते रहे। इसके अलावा 16 सुपरवाइजरी अधिकारियों ने चारों पंचायत समितियों में सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पंचायत समिति मुख्यालयों पर रिजर्व पुलिस बल तैनात रखा गया था। जिला मुख्यालय पर भी 120 पुलिसकर्मियों का रिजर्व बल तैयार रहा। रेंज मुख्यालय से आरक्षित बल और बटालियन को अलर्ट मोड पर रखा गया। दुर्गम और डार्क जोन क्षेत्रों में संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्टेटिक वायरलेस सेट लगाए गए। ईवीएम की सुरक्षा के लिए राजस्थान कृषि महाविद्यालय और पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय में बने स्ट्रांग रूम पर सशस्त्र पहरा और डीएफएमडी सुरक्षा व्यवस्था रखी गई। एसपी डॉ. अमृता दुहन ने चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों, जवानों, होमगार्ड, आरएसी, तकनीकी टीम और प्रशासनिक अमले की सराहना की। उन्होंने शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में सहयोग के लिए ग्रामीण मतदाताओं का भी आभार जताया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।